(d) No such proposal is under consideration of the Government.

The number of Foreigners Overstaying in Pondicherry

3931. SHRI C. VENUGOPAL: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) the number of foreigners who were given visas to stay at Auroville in Pondicherry/Tamil Nadu under the aegis of Aurobindo Society,

(b) whether it is a fact that these persons continue to stay in India despite the expiry of visa period; if so, the reasons therefor; and

(c) whether it is a fact that the immigrants are contravening the laws of the land and indulging in indecent behaviour and the sponsorers of the invitees have withdrawn their guarantee for good behaviour of the foreigners?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL): (a) Foreigners have been coming to Auroville during the past several years under the sponsorship of Aurobindo Society. Since the period for which information is required has not been specified it is not possible to indicate the precise number.

(b) No, Sir.

(c) Due to disputes between two groups in Auroville, there have been some incidents of contravention of the law. Some criminal cases have been registered.

सीमेंट की कमी के कारण उद्योग एवं कृषि के विकास और मकानों के निर्माण कार्य में बाधा

3932. **श्री गंगा भक्त सिंह** : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में सीमेंट की भारी कमी के कारण उद्योग एवं कृषि के क्षेत्रों में विकास सम्बन्धी गतिविधियों और मकानों के निर्माण कार्य में बाधा पहुंची है और इस समय सीमेंट की अनुमानित मांग कितनी है;

(ख) चालू वर्ष के दौरान सीमेंट का अनुमानतः कितना उत्पादन हुआ है और पिछले वर्ष इसका कितना उत्पादन हुआ था; और

(ग) देश में इसके उत्पादन में वृद्धि करने के लिए क्या कार्यवाही की जा रही है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी आभा मयती) : (क) और (ख). सीमेंट का वर्ष 1977 का अनुमानित उत्पादन 190 लाख मी० टन है, जबकि वर्ष 1976 में यह 186.1 लाख मी० टन हुआ था। उत्पादन अधिक होने के बावजूद सरकारी विभागों और उद्योगों, कृषि तथा भवन निर्माण के लिए सीमेंट की खपत अधिक होने से मांग बहुत बढ़ जाने के कारण कमी हो गई है। इन मांगों की यथासम्भव पूर्ति की जा रही है। सीमेंट की कमी के कारण विकास कार्यों में बड़ी रुकावट आने की कोई सूचना नहीं मिली है।

(ग) सरकार विद्यमान एककों द्वारा सीमेंट का उत्पादन बढ़ाने, अतिरिक्त क्षमता अधिष्ठापित करने और सीमेंट की बचत और बेहतर उपयोग करने के लिए अनेक उपाय कर रही है। इन प्रमुख उपायों में प्रीकाल्सीनेटरों का लगाया जाना और स्लैग का अधिक उपयोग करना, फ्लाई ऐश और अन्य पोजलानिक सामग्री, स्थानीय स्लैग और चूने के पत्थर का उपयोग करने के लिए इस्पात संयंत्रों के पास नये सीमेंट संयंत्र स्थापित करना, चूने के पत्थरों के छोटे भण्डारों का उपयोग करने के लिए छोटे (मिनी) सीमेंट संयंत्र स्थापित करना तथा नये एककों के निर्माण और विस्तार कार्यक्रमों को शीघ्र पूरा करना शामिल है।